



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 168]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 2, 1979/ज्येष्ठ 12, 1901

No. 168]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 2, 1979/JYAISTHA 12, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विदेश मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मई, 1979

सा० का० नि० 340(अ).—भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' (भर्ती, संवर्ग, वरीयता एवं पदोन्नति) नियमावली, 1964 के नियम 12 के उप-नियम 3(क) के अनुपालन में विदेश मंत्रालय, इसके द्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त शीर्षक : (1) ये विनियम भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' सामान्य, संवर्ग का वर्ग 1 अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति की आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए (सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम कहलायेंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. परिभाषा : (1) इन विनियमों में, जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो :

(क) "निर्णायक तारीख" से अभिप्रेत होगा जिस वर्ष परीक्षा होनी है उस वर्ष से पूर्व वर्ष के विमम्बर मास का एकतीसरा दिन।

(ख) "परीक्षा" से अभिप्रेत होगा आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य संवर्ग के वर्ग 1 की चयन-सूची में संवर्धन के लिए आयोग द्वारा आयोजित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा जो अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों तक सीमित होगी।

(2) इन विनियमों में प्रयुक्त अन्य सभी शब्दों तथा अभिव्यक्तियों का, जिन्हें इनमें परिभाषित नहीं किया गया है, परन्तु भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' (भर्ती, संवर्ग वरीयता एवं पदोन्नति) नियमावली, 1964 में परिभाषित किया गया है, क्रमशः वही अर्थ होगा जो इन नियमों में दिया गया है।

3. परीक्षा का आयोजन : (1) यह परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा विदेश मंत्रालय की ओर से समय-समय पर अधिसूचित तरीके से आयोजित की जाएगी।

(2) परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्णित किया जाएगा।

4. पात्रता की शर्तें : भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' के अनुभाग अधिकारी वर्ग (सामान्य संवर्ग के एकीकृत वर्ग II और III) अथवा प्राथमिक उप-संवर्ग के प्रवरण वर्ग का कोई भी स्थायी अधिकारी अथवा कोई अधिकारी जिसका नाम भारतीय विदेश सेवा-शाखा 'ख' के अनुभाग अधिकारी वर्ग (सामान्य संवर्ग का एकीकृत वर्ग II और III) की चयन सूची में या प्राथमिक उप-संवर्ग के प्रवरण वर्ग की चयन सूची में शामिल हो और जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का हो और जो निर्णायक तारीख को निम्नलिखित शर्तें पूरी करता हो, इस परीक्षा में बैठ सकता है, यथा :—

(1) सेवा की अवधि : उसने भारतीय विदेश सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग (सामान्य संवर्ग का एकीकृत वर्ग II और III) में अथवा प्राथमिक उप-संवर्ग के प्रवरण वर्ग में अथवा दोनों में, जैसी भी स्थिति हो, कम से कम चार वर्ष की अनुभूति और निरन्तर सेवा की हो।

टिप्पणी (i) भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' के आशुलिपिक उप-संवर्ग के प्रवर्ण वर्ग के मामले में अनुमोदित सेवा में भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' के आशुलिपिक उप-संवर्ग के वर्ग I में की गयी अनुमोदित सेवा की आधी अवधि शामिल होगी।

(ii) सैनिक ब्यूटी में रहने पर अनुपस्थिति की किसी भी अवधि का उक्त पदों में से किसी भी पद के लिए निर्धारित सेवा काम में गिनने की अनुमति दी जाएगी।

(2) भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' के सामान्य संवर्ग के एकीकृत वर्ग ii और iii के अनुभाग अधिकारी और आशुलिपिक उप-संवर्ग के प्रवर्ण वर्ग के अधिकारी, जो संवर्ग-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्त है, यदि अन्यथा योग्य हों तो, इस परीक्षा में बैठ सकते हैं।

(3) भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग के एकीकृत वर्ग ii और iii का कोई ऐसा अनुभाग अधिकारी या आशुलिपिक उप-संवर्ग के प्रवर्ण वर्ग का कोई ऐसा अधिकारी जो किसी संवर्ग-बाह्य पद पर नियुक्त हुआ हो अथवा स्थानांतरण पर किसी अन्य सेवा में नियुक्त किया गया हो और जिसका भारतीय विदेश सेवा शाखा (ख) के अनुभाग अधिकारी में या आशुलिपिक उप-संवर्ग के प्रवर्ण वर्ग में, जैसी भी स्थिति हो, पुनर्गठनाधिकार न हो, इस परीक्षा में नहीं बैठ सकेगा।

5. पावता का निर्णय: परीक्षा में प्रवेश के लिए उम्मीदवार की पावता अथवा उसके बारे में आयोग का कोई अन्य निर्णय अन्तिम होगा और किसी भी उम्मीदवार को, जिसे आयोग ने प्रवेश प्रमाण-पत्र जारी किया हो, परीक्षा में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. परिणाम: (1) उन उम्मीदवारों के नामों की, जिन्हें आयोग किसी परीक्षा के परिणाम के आधार पर चयन के लिए उपयुक्त समझा जाएगा, योग्यताक्रम के अनुसार दो अलग-अलग सूचियां बनाई जाएंगी जिनमें से एक में अनुसूचित जाति के और दूसरी में अनुसूचित जनजाति के सदस्य होंगे, और उसी क्रम में जितने उम्मीदवारों को आयोग द्वारा परीक्षा योग्य ठहराया गया हो उनकी आयोग द्वारा अपेक्षित संख्या तक उम्मीदवारों की उपर्युक्त दोनों कोटियों की श्रवण सूची में शामिल किये जाने के लिए सिफारिश की जाएगी।

(2) प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षा का परिणाम आयोग द्वारा निर्धारित किसी तरीके से आयोग द्वारा भी भेजा जाएगा।

7. चयन: परीक्षा में सफलता से सामान्य संवर्ग के वर्ग I की चयन सूची में शामिल किये जाने का अधिकार नहीं मिल जाता जब तक कि केन्द्र सरकार अपेक्षित जांच करवा लेने के बाद इस ओर से सन्तुष्ट नहीं हो जाती कि उम्मीदवार, सेवा में उसके आचरण की ध्यान में रखते हुए, चयन के लिए सभी तरह से योग्य और उपयुक्त है:

लेकिन किसी विशिष्ट उम्मीदवार के चयन की अयोग्यता का निर्णय जिसके लिए आयोग ने सिफारिश की हो, आयोग के परामर्श से किया जाएगा।

8. दुराचरण के लिए दण्ड: उस उम्मीदवार को, जिसे आयोग ने निम्नलिखित कारणों से दोषी घोषित किया हो:—

- (क) किसी भी तरीके से अपनी अभ्यर्थिता के लिए समर्थन प्राप्त करने; अथवा
- (ख) प्रतिरूपण करने; अथवा
- (ग) किसी व्यक्ति द्वारा प्रतिरूपण करवाने; अथवा
- (घ) जाली अथवा ऐसे वस्तावेज प्रस्तुत करने जिनमें हेर-फेर किया हो; अथवा
- (ङ) गलत अथवा असत्य विवरण देने अथवा तथ्य को छिपाने; अथवा

(च) परीक्षा के लिए अपनी अभ्यर्थिता के सम्बन्ध में किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित तरीकों से काम लेने; अथवा

(छ) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाने; अथवा

(ज) परीक्षा भवन में दुर्व्यवहार करने; अथवा

(झ) उल्लिखित धाराओं में बताया गया कोई कार्य करने का प्रयत्न अगर कोई करता हो या इन कामों को करने के लिए किसी को उकसाता हो तो उसके खिलाफ अपराधिक अभियोग तो खलाया ही जा सकता है, इसके प्रतिनिवन उसे:—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है जिसके लिए वह उम्मीदवार है: अथवा

(ख) (i) आयोग द्वारा उसके द्वारा आयोजित किसी भी परीक्षा अथवा चयन या;

(ii) केन्द्र सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नियोजन से; स्थायी रूप से अथवा किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए बहिष्कृत किया जा सकता है।

(ग) समुचित नियमों के अन्तर्गत अनुणामनिक कार्यवाही की जा सकती है।

[सं० 170/सी० ए० डी०/74]

दृष्टत अजीज, निदेशक

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st May, 1979

G.S.R. 340(E).—In pursuance of sub-rule 3(a) of Rule-12 of the Indian Foreign Service, Branch 'B' (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964, the Ministry of External Affairs hereby makes the following regulations, namely:—

1. Short title.—(1) These regulations may be called the Indian Foreign Service, Branch 'B' Grade-I of the General Cadre (Limited Departmental Competitive Examination for filling vacancies reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes) Regulations, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—(1) In these regulations, unless the context otherwise requires:—

(a) "Crucial date" means the thirty first day of December of the year preceding the year in which the examination is held.

(b) "examination" means a Limited Departmental Competitive Examination held by the Commission and confined to the candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes for making additions to the Select List for Grade-I of the General Cadre against reserved vacancies.

(2) All other words and expressions used in these regulations and not defined but defined in the Indian Foreign Service, Branch 'B' (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964 shall have the meanings respectively assigned to them in these Rules.

3. Holding of the examination.—(1) The examination shall be conducted by the Commission in the manner notified by the Ministry of External Affairs from time to time.

(2) The dates on which and the places at which the examination shall be held shall be fixed by the Commission.

4. Conditions of eligibility.—Any permanent officer of the Section Officers' Grade (Integrated Grades-II & III of the General Cadre) or Selection Grade of the Stenographers' Sub-Cadre of the Indian Foreign Service, Branch 'B' or any officer whose name has been included in the Select List for

the Section Officers' Grade (Integrated Grades-II and III of the General Cadre) or the Select List for Selection Grade of the Stenographers' Sub-Cadre of IFS(B) and who belongs to any Scheduled Caste or Scheduled Tribe and who, on the crucial date, satisfies the following conditions shall be eligible to appear at the examination, namely :—

- (1) Length of Service.—He should have rendered not less than 4 years approved and continuous service in the Section Officers' Grade (Integrated Grades-II and III of the General Cadre) or in the Selection Grade of the Stenographers' Sub-Cadre of the Indian Foreign Service, Branch 'B' or in the both, as the case may be.

Note : (i) In the case Selection Grade Officers of the Stenographers' Sub-Cadre of the Indian Foreign Service, Branch 'B' the approved service shall include half of the approved service rendered in Grade-I of the Stenographers' Sub-Cadre of the Indian Foreign Service, Branch 'B'.

- (ii) Any period of absence on Military duties may be allowed to be counted towards the prescribed length of service in any of the above posts.

- (2) Section Officers of the Integrated Grades-II and III of the General Cadre and Officers of Selection Grade of the Stenographers' Sub-Cadre of IFS(B) who are on deputation to ex-cadre post shall be eligible to appear at the examination if otherwise eligible.

- (3) A Section Officer of the Integrated Grades-II and III of the General Cadre or an officer of Selection Grade of the Stenographers' Sub-Cadre of IFS(B) who has been appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer and does not have a lien in the Section Officers' Grade or Selection Grade of the Stenographers' Sub-Cadre of the IFS(B), as the case may be, shall not be eligible to appear at the examination.

5. Decision as to eligibility.—The decision of the Commission to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final and no candidate to whom a certificate of admission has not been issued by the Commission shall be admitted to the examination.

6. Results.—(1) The names of the candidates who are considered by the Commission to be suitable for selection on the result of any examination shall be arranged in the order of merit in two separate lists, one being for candidates belonging to the Scheduled Castes and the other being for candidates belonging to the Scheduled Tribes, and in that order as many candidates, as are found by the Commission to be qualified shall be recommended for inclusion in the Select List for each of the aforesaid two categories of candidates upto the required number.

(2) The results of the examination shall be communicated to individual candidates by the Commission in such manner as may be determined by the Commission.

7. Selection.—Success in the examination confers no right to be included in the Select List for Grade-I of the General Cadre unless the Central Government is satisfied, after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his conduct in service, is suitable in all respects for selection :

Provided that the decision as to whether a particular candidate recommended for selection by the Commission is not suitable shall be taken in consultation with the Commission.

8. Penalty for Misconduct.—A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (a) Obtaining support for his candidature by any means ; or
- (b) Impersonating, or
- (c) Procuring impersonation by any person ; or
- (d) Submitting fabricated documents or documents which have been tampered with ; or
- (e) Making statements which are incorrect or false ; or suppressing material information ; or
- (f) Resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination ; or
- (g) Using unfair means in the examination hall ; or
- (h) Misbehaving in the examination hall ; or
- (i) Attempting to commit or, as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—

- (A) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate ; or
- (B) to be debarred either permanently or for a specified period :—
 - (i) by the Commission, from any examination or Selection held by them ;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them ; and
- (c) to disciplinary action under the appropriate rules.

[No. 170/C.A.D./79]
ISHRAT AZIZ, Director

